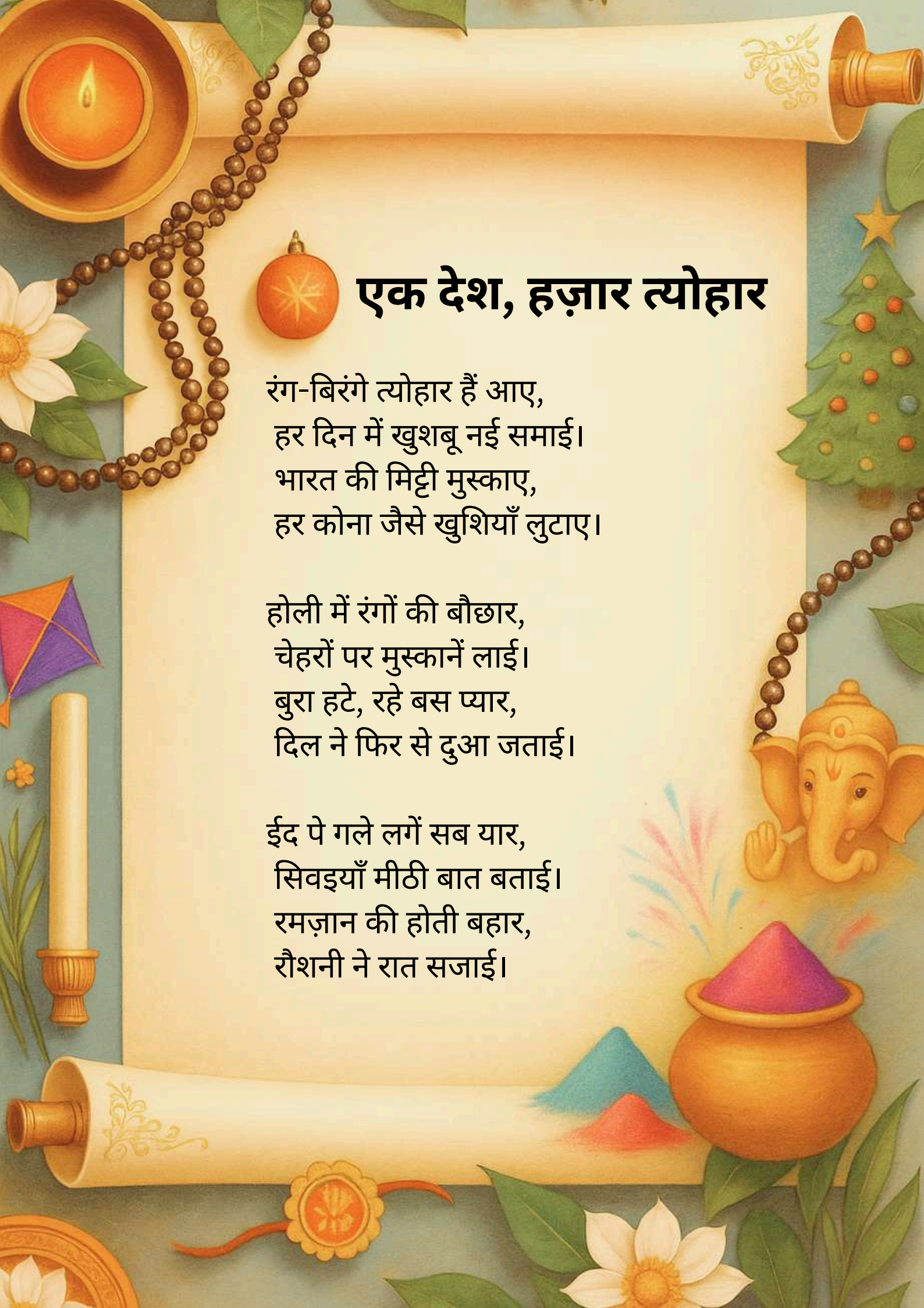

एक देश, हज़ार त्योहार

रंग-बिरंगे त्योहार हैं आए,
हर दिन में खुशबू नई समाई।
भारत की मिट्टी मुस्काए,
हर कोना जैसे खुशियाँ लुटाए।

होली में रंगों की बौछार,
चेहरों पर मुस्कानें लाई।
बुरा हटे, रहे बस प्यार,
दिल ने फिर से दुआ जताई।

ईद पे गले लगें सब यार,
सिवइयाँ मीठी बात बताई।
रमज़ान की होती बहार,
रौशनी ने रात सजाई।

दीवाली में दीप जले हर ओर,
अंधकार को दूर भगाई।
रमे हर दिल में प्रेम की डोर,
लक्ष्मी माँ की पूजा आई।

क्रिसमस लाए सान्ता पास,
बच्चों ने खूब मिठाई खाई।
जन्मे जब यीशु खास,
प्यार और दया की बात सिखाई।

रक्षा बंधन बंधे भाई-बहन को,
रिश्तों में मिठास समाई।
सज गए राखी और मनमो,
बहन ने फिर से कलाई सजाई।

ये भारत के त्योहार हैं प्यारे,
हर धर्म की है इसमें छाई।
मिलजुल कर मनाएं सारे,
यही है सच्ची एकता भाई।